

पद ५८

(रागः सोहनी - तालः झंपा)

मानी सुहाग जग सुभगा सुमंगला । जय रहो आनंदी राज हिमबाला ।
ब्रह्मादि विष्णु हर प्रेतासनी पंच भूताशनी मोहिनी जगज्जाला ॥ध्रु॥
धारेसुरी जंबुवादिनी अरुणिका । मीनाक्षी मधुशक्ति आदि यहि पांच
हैं । दुर्गा रमा राधिकारानी सावित्री बागेशुरी श्यामला जपहुँ माला
॥१॥ आत्मसुख मधुपानी दृश्य मांसाहारी । शिवजीव मिथुन
सुखनंददा माता । सच्छास्त्रयोनि चिन्मुद्रा चिद्रतिप्रिया अखिल भग
मंत्र जप फलदानशीला ॥२॥ धूतपट पूतमन कामनासन दीप धूप
बलि भोज्य दे ध्यात सत गावे । सकल संकट हरे कामना दरस दे ।
चिज्ज्वलित मार्तांड तेज प्रतिपाला ॥३॥